भजन

तर्जः रंग बरसे .....

मेहर बरसे प्रीतम की मेहर अपार मेहर बरसे

1 मेहर के सागर है मोरे पिया जी-- मोरे पिया जी
लीला है अपरम्पार - मेहर बरसे. .....

2. इश्क - इल्म सब मेहर से आईया - मेहर से आईया
पायो है जो बेशुमार - मेहर बरसे .....

3 मूल मिलावे में राजश्यामा जी-- राज श्यामा जी
रूहों ने पायो दीदार- मेहर बरसे.....

4. अर्श खजाना पिया जी ले आए -- पिया जी ले आए
खोल दिए भण्डार - मेहर बरसे .....